लॉकडाउन में सगी बेटी की सील तोड़ी

“हॉट बेटी Xxx कहानी में मैं अपनी जवान बेटी को नंगी नहाती देखता था. एक दिन उसने बाथरूम की कुण्डी नहीं लगायी तो मैं बाथरूम में घुस गया. वह अपनी चूत में उंगली कर रही थी. …”

Story By: यशवंत (suaaryas)
Posted: Friday, June 14th, 2024
Categories: बाप बेटी की चुदाई
Online version: लॉकडाउन में सगी बेटी की सील तोड़ी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लॉकडाउन में सगी बेटी की सील तोड़ी

हॉट बेटी Xxx कहानी में मैं अपनी जवान बेटी को नंगी नहाती देखता था. एक दिन उसने बाथरूम की कुण्डी नहीं लगायी तो मैं बाथरूम में घुस गया. वह अपनी चूत में उंगली कर रही थी.

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम यश है. मैं 43 साल का हूँ.

मेरे घर में मेरी वाइफ मैं और मेरी 19 साल की बेटी है जिसका नाम सुमी है.
सुमी के बूब्स 34″ और गांड 36″ की है.
वह एक परफेक्ट सेक्सी हॉट टाइप लड़की है.

अब सीधे हॉट बेटी Xxx कहानी पर आता हूँ.
रविवार का दिन था 3 मई !

मेरी वाइफ मार्किट गयी थी उसे वहां से आने में दो घंटे लगने थे.
सुबह के 10 बज रहे थे.

मेरी बेटी सुमी में बाथरूम में नहाने गयी.
नहाते हुइ इस बार वह कुण्डी लगाना भूल गयी.

मैं हमेशा उसे बाथरूम के छेद से उसे नहाती हुई देखता था.
इस बार देखने गया तो देखा दरवाजा हल्का सा खुला हुआ है.

अब मैं उसे वहीं से देखने लगा.
इस बार सुमी ऊपर से नीचे तक साफ़ नज़र आ रही थी.

अभी वह लाल ब्रा और लाल कच्छी में थी.
क्या गजब की हॉट लग रही थी … इतना हॉट बदन ही शायद किसी का हो !
तभी तो अपनी सगी बेटी को चोदने का मन किया.

ऐसा सुंदर सेक्सी माल हो तो कौन नहीं चोदना चाहेगा.
उसके गुलाबी ओंठ और गोरी गोरी जांघें … गहरी नाभि … उत्तेजित करने के लिए यही काफी हैं.
जिसके ऐसे उत्तेजित करने वाले अंग हों तो सोचो उसकी मुलायम चूत और बड़े बड़े बूब्स कैसे होंगे.

इतना मस्त माल …

अब उसने अपनी पेंटी ब्रा निकाल दी और नंगी नहाने लगी.
वह अपने मखमली बदन पर साबुन लगाने लगी.

जिए जैसे उसका हाथ बदन पर घूम रहा था, मेरा लंड वैसे वासी फुंकारे मारता.

अब काफी देर वह अपनी बालों वाली चूत धोती रही.
शायद इसी कारण वह गर्म होने लगी और चूत को और ज्यादा सहलाने लगी.

अब वह अपनी उंगली अपनी चूत के अंदर डालने लगी.
उसकी सिसकारियां बढ़ने लगी.
उसे पता ही नहीं था कि उसके पापा उसे ऐसा करते देख रहे हैं.

अब मेरे लिए यही मौका था.
मैं झट से अंदर घुस गया.

अपनी चूत में उंगली करते समय अचानक पापा को सामने देखने पर लड़की का क्या हाल होता है … वही सुमी का हुआ.
उससे कुछ बोला ही नहीं गया.

उसकी उंगली ऐसे ही अंदर चूत में घुसी रही, एकदम से वह सकपका गयी.
मैंने उससे पूछा- यह क्या कर रही हो ?
तो वह घबरा गयी और बोली- कुछ नहीं पापा !
मैंने कहा- झूठ मत बोल !

तो उसने रोने जैसी सकल बना ली.
मैंने उसे खड़ी किया और ऐसे नंगी ही अपने गले लगा दिया और कहा- कोई बात नहीं बेटा, इस उम्र सभी ऐसा करते हैं.

मैं उसकी नंगी पीठ सहलाता रहा.
सहलाते सहलाते मेरा हाथ कब उसकी गांड तक पहुँच गया, पता ही नहीं चला.

अब मैं सुमी की मोटी गांड सहला रहा था.

जैसे ही मैंने एक उंगली उसकी गांड में घुसाई, वह चौंक गयी और कहने लगी- पापा ये क्या कर रहे हो ? प्लीज छोड़ दो मुझे !

मैंने अनसुना कर दिया और एक उंगली उसकी गांड में और एक हाथ से सुमी की बड़ी बड़ी चूची दबाने लगा.

सुमी पहले से ही गर्म थी और ऊपर से मेरे हाथ का स्पर्श पाकर उसके बदन में और गर्मी चढ़ने लगी.
उसके अंदर खुमारी चढ़ने लगी.

अब उसने विरोध करना कम कर दिया.

इतने में मैं अपने ओंठ उसके गुलाबी ओंठों से लगा कर चूसने लगा.
उसने आँखें बंद कर ली और ओंठ चूसने में मेरी मदद करने लग गयी.

अब उसे पूरा मजा आने लगा.
मैंने उसकी चूची खूब मसली.
और हाथ को उसकी चूत पर लाकर मसलने लगा.

मेरा लंड कड़क हो गया.
काफी देर तक मैं उसकी कुंवारी चूत सहलाता रहा.

उसकी चूत गीली हो चुकी थी … अब उसकी चुदने की खूब इच्छा जागने लगी.

मैं कभी उसके ओंठ चूसता तो कभी उसके निप्पल मुख में लेकर चूसने लगता.
कुंवारे निप्पल चूसने के अलग ही मजा है.
कड़क चूची थी मेरी बिटिया की!

कभी मैं उसकी सेक्सी नाभि सहलाता तो कभी उसकी गांड मसलता.

मेरा ऐसा करना उसे बहुत रोमांचित कर रहा था.

किसी मर्द का पहली बार स्पर्श होना उसके लिए अलग ही सुख था.
वह बोल कुछ नहीं रही थी पर साथ मेरा पूरा दे रही थी.

अब उसने अपने आप ही अपना हाथ मेरे लंड पर लगाया, उसे हिलाने लगी, सहलाने लगी.

उसके कोमल कोमल हाथों से लंड पर स्पर्श पा कर मेरे अंदर और जोश भर गया.

मैंने झटके उसके बाल पकड़े और उसकी मुंडी नीचे कर के उसके मुंह में अपना लंड घुसा दिया और अंदर बाहर करने लगा.

लंड को पहली बार मुख में लेने की वजह से उसे स्वाद अजीब लगा तो उसने लंड बाहर निकाल दिया.

मैंने फिर उसके बाल पकड़े और मुंह आगे करके फिर मुंह में दिया.

इस बार वह लंड को आराम आराम से चूसने लगी.
‘आह्ह्ह’ उसके गुलाबी और मुलायम ओंठों से मेरा कड़क लंड चूसना बहुत मजा दे रहा था.

वह चूसे जा रही थी.

इतने में मैंने लंड का सारा वीर्य उसके मुंह में डाल दिया.
‘आहाआ आह्ह्ह आह्ह्ह !’ मुझे कितना मजा आ रहा था, मैं बखान नहीं कर सकता.
उसने भी पूरा चाट कर मेरा लंड साफ़ कर दिया.

सुमी अभी भी गर्म थी.
मैंने उसे ऐसे ही नंगी गोद में उठाया और बेडरूम में ले आया.
उसे बेड पर लिटा कर मैंने उसकी टाँगें फैलाई और उसकी कुंवारी चूत चाटने लगा.

अब पहली बार उसके मुंह से आवाज निकली- पापा, ये क्या कर रहे हो … कितना मजा आ रहा है ! मैं पागल हो जाऊंगी. आह्ह्ह हाँह पापा !

मैं काफी देर तक उसकी कुंवारी चूत ऐसे ही चाटता रहा.

अब मैंने तकिया उसकी कमर के नीचे लगा दिया और उसकी टाँगें खड़ी करके अपना लंड उसकी कुंवारी चूत में घुसाने लगा.
पर लंड कहाँ आसानी से जाने वाला था 19 साल की कमसिन कली की टाईट चूत में !

उसने कहा- पापा, दर्द हो रहा है !
तो अबकी बार मैंने उसे कहा- लंड पर तेल मालिश कर !
वह अब मेरे लंड पर तेल मालिश करने लग गयी.

तेल मालिश की वजह से लंड कडक और चिकना हो गया.

अब फिर से मैंने उसकी टाँगें उठाई और लंड उसकी चूत के मुख पर टिका दिया और एक झटके में लंड को अंदर धक्का मारा.
पर मेरा लंड आधा ही उसकी बुर के अंदर गया.
वह दर्द के मारे चीखने लगी- बाहर निकालो … बाहर निकालो पापा … बहुत दर्द हो रहा है !

मैं थोड़ी देर ऐसे ही रहा, फिर आराम से आराम से धक्का मारने लगा.

जब उसका दर्द कम हुआ तो फिर मैंने आराम से धक्का मारकर पूरा लंड अंदर घुसा दिया.
मेरा लंड खून से लथपथ हो गया था.
मेरी बेटी की कुंवारी चूत की सील टूट चुकी थी.

अब मैं उसे पेलने लगा.
उसका दर्द अब खत्म हो गया और वह भी मजे लेने लगी.

अब तक वह खुल चुकी थी और उसकी शर्म में खत्म हो गयी थी.
वह गांड उठा उठा के मेरे धक्कों के मजे लेने लगी.

‘आ:ह्हह ह्ह्ह … आअ ह्ह्ह …’ उसकी आहें और सिसकारियां तेज होने लगी.
अब एक हाथ से मैं उसकी एक चूची दबाने लगा.

कुंवारी चूत चोदने का मजा ही कुछ और होता है.
उस पूरे रूम में चुदाई की आवाजें और महक फैल रही थी.

और मेरे आंड जब उसकी चूत के होंठों पर लगते तो पुकच्छ पूउक्छ पछ पछ की आवाज़ आती.

और अब वह मेरी कमर पर अपने दोनों हाथ रखकर बोली- पापा, अपने दोनों हाथों से मेरी दोनों चूची एक साथ मसलो !

‘आहह औह हओ उफ ओ ऊह्ह्ह ह्ह्हह’ ऐसी आवाज़ निकालती हुई सुमी कहने लगी- ह्ह्ह मेरे पापा … फाड़ दो आज अपनी बिटिया की कुंवारी चूत … मसल दो मुझे अपने लंड से ! आज पूरा निचोड़ दो मुझे … जी भर कर चोदो मुझे … मेरी फुदी के चीथड़े उड़ा दो !

फिर मैं सुमी को एक टांग उठा के चोदने लगा.
कुछ देर सुमी को मैं ऐसे चोदता रहा.

फिर मैंने उसे कुतिया बना कर भी चोदा.
अब मैं धक्के मारने लगा.
सुमी की सिसकारियां बढ़ने लग गयी- आह्ह मेरे राजा … अपने लंड का गर्म गर्म वीर्य में मेरी चूत में गिरा कर मुझे अपने बच्चे की माँ बना दो. आ:ह्ह उऊ ऊऊ उईई ! आई लव यू माय स्वीट डैड … लव यू बेबी … रगड़ दो आज अपनी बेटी को … खूब रगड़ो अपनी इस रांड को !

वह अन्तर्वासना के नशे में बोलती रही- ह्ह्ह ऊह्ह ह्ह्ह … श:श … पापा आज अपनी बेटी की चूत का भोसड़ा बना दो … आह्ह्ह पापा … चोदो … और जोर से चोदो अपनी बेटी को !

हमें चुदाई करते 15 मिनट हो गये तो Xxx बेटी कहने लगी- पापा, अब मैं आपके ऊपर आकर आपको चोदूंगी.
मैंने कहा- ठीक है.

मैं नीचे लेट गया.
सुमी ने अपना मुंह मेरी तरफ करके मेरा लंड अपने हाथ से पकडकर चूत में मुंह पर सटा दिया और ऊपर से जोरदार झटका मारा.
मेरा पूरा लंड नीचे से Xxx बेटी की चूत में घुस गया.

अब मेरी हॉट बेटी ऊपर से ताबड़ तोड़ धक्के मार कर अपने पापा को चोदने लग गयी.

आह्ह्ह्ह … क्या मजा आ रहा था !

मैं कहने लगा- आ:ह्ह सुमी बेटा … और जोर से कर ऊपर से … अंदर बच्चेदानी तक घुसा ले अपने बाप का लंड … आह्ह ह्ह मेरी गुड़िया … ओह्ह्ह !

हम दोनों की आवाजों से पूरा कमरा महकने लगा.

अब सुमी ने कहा- पापा, अपनी बेटी को एक टांग खड़ी करके चोदो.

मैंने वैसे ही किया.
सुमी की एक टांग खड़ी करके उसकी चुदाई करने लग गया.

सुमी कहने लगी- वोओ बेबी … मेरे दुद्दू चूसो !

अब मैं सुमी के बड़े बड़े दुद्दू एक बच्चे की भांति चूस रहा था.

सुमी जोर जोर से आवाज निकाल के बोलने लगी- आ:ह्ह्ह पापा … मैं आने वाली हूँ.
ओह्ह पापा … स्पीड बढ़ाओ … मैं झड़ने वाली हूँ !

मेरी स्पीड बढ़ गयी.

और थोड़ी ही देर में मैंने लंड का सारा माल अपनी बेटी की चूत में डाल दिया.

सुमी ने मुझे खूब किस किया और कहा- पापा आज आपने मुझे सुहागरात जैसा पूरा मजा दिया. आई लव यू माय स्वीट पापा !

तभी सुमी ने कहा- पापा, प्लीज अपना लंड मेरी चूत में डालकर ही रखो कुछ देर तक !
मैंने कहा- बेटा, अब ये मुरझा गया ! चूत में नहीं जाएगा.

तो सुमी बिना कुछ बोले लंड को मुंह में लेकर चूसने लगी.
10 मिनट तक वह चूसती रही.

इतने में लंड खड़ा हो गया तो कहने लगी- पापा, मैंने अपनी जान को खड़ा कर दिया. अब आप अपनी जान में मेरी जान को घुसा दो.
मैंने सुमी का एक पैर अपने ऊपर रख कर लंड उनकी चूत में घुसा दिया और उसके ओंठ अपने होंठों से चिपका दिए.

कुछ देर ऐसे ही रहे.
फिर ऐसे ही आराम आराम से धक्के मार कर फिर से उसे चोदा.

उस दिन मैंने उसे 4 बार चोदा.

दोस्तो, यह मेरी सच्ची हॉट बेटी Xxx कहानी है.
क्या मैंने अपनी ही बेटी को चोदकर ठीक किया ?
आप अपने विचार मुझे मेल और कमेंट्स में बताएं.
suaaryas2020@gmail.com

मेरी पहली कहानी थी : चचेरी बहन और भतीजी दोनों को चोदा

Other stories you may be interested in

जब मिल जायें चार यार- 1

कपल सेक्स साउंड स्टोरी में चार दोस्त अपनी बीवियों के साथ गोवा के होटल में रुके. चारों ने शोर मचा कर चुदाई करने की प्रतियोगिता रखी. ज्यादा आवाजें करने वाले को उपहार मिलना था. दोस्तो, मैं सनी वर्मा ! मेरी पिछली […]
Full Story >>>

दोस्त की विधवा पत्नी मुझसे होटल में चुदी

भाभी पोर्न चूत कहानी में मेरे दोस्त की मौत के बाद मैं उसके घर गया तो उसकी विधवा मेरे से सेट हो गयी. वह मुझसे चुदने को बेचैन थी. मैंने उसे होटल में लेजाकर चोदने का प्रोग्रम बनाया. दोस्तो, मैं […]
Full Story >>>

उन्मुक्त वासना की मस्ती- 12

फ्री सेक्स इन अ फॅमिली स्टोरी में वासना से भरपूर दो परिवार आपसी रिश्तों की मर्यादा का परित्याग करके एक दूसरे के साथ जीभर के चुदाई यौन संसर्ग के मजे ले रहे हैं। कहानी के पिछले भाग पापा और ससुर […]
Full Story >>>

दोस्त की विधवा को पटाया, उसकी बहू को चोदा

बहू सेक्स अंकल कहानी में मैं अपने दोस्त की मौत पर उसके घर गया तो भाभी से सेटिंग हो गयी. पर इससे पहले कि मैं भाभी को चोद पाता, उनकी छोटी बहू मेरे लंड का मजा ले गयी. दोस्तो, मैं […]
Full Story >>>

उन्मुक्त वासना की मस्ती- 11

फुल सेक्स इन फॅमिली जिसमें एक जवान लड़की, उसका पति, उसके सास ससुर, भाई माँ बाप सब शामिल हैं. ये लोग मिल कर फुल सेक्स का मजा ले रहे हैं. कहानी के दसवें भागपरिवार में ही ग्रुप सेक्स का माहौल […]
Full Story >>>